ज्ञान शांति मैत्री

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वा य
Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishv /a
(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित के य)
(A Central University Established by Parliament by Ac 7)

संचार एवं मीडिया अध्ययन केंद्र

Centre for Communication & Media Studies

दिनांक: 18.06.2015

अध्ययन मण्डल (BOS) की सातवीं बैठक

दिनांक : 18 जून, 2015

कार्यवृत्त

बैठक में विचार-विमर्श करके निम्नलिखित निर्णय लिए गए –

1. पिछली बैठक दिनांक 02.07.2014 में लिए गए निर्णयों/कार्यवाही की पुष्टि की गई।
2. विश्वविद्यालय द्वारा वर्तमान सत्र से अपनाये जाने वाले विकल्प आधारित क्रेडिट प्रणाली (CBCS) के अनुरूप संचार एवं मीडिया अध्ययन केंद्र में संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों – एम.ए.जनसंचार, एम.फिल.जनसंचार, पीएच.डी. जनसंचार तथा अन्य पीजी डिप्लोमा पाठ्यक्रमों की पाठ्यचर्या में आवश्यक संशोधन, परिवर्तन एवं परिमार्जन तथा नए पाठ्यचर्याओं का निर्माण कार्यशाला के माध्यम से पिछले दिनों दिनांक 23.03.2015 को केंद्र के शिक्षकों, विद्यार्थियों, शोधार्थियों तथा बाह्य विशेषज्ञों द्वारा किया गया है। अध्ययन मण्डल के सदस्यों ने तैयार किए गए पाठ्यचर्याओं का अवलोकन किया तथा आवश्यक संशोधन, परिमार्जन करके उन्हें अनुमोदित किया। (संलग्नक - 1)
3. एम.फिल. जनसंचार, सत्र 2014-15 के शोधार्थियों के लिए आवंटित लघु शोध विषयों एवं निर्धारित शोध निर्देशको की सूची को अनुमोदित किया गया। (संलग्नक - 2)
4. पीएच.डी. जनसंचार सत्र: 2009-10 के शोधार्थियों - श्री अनिल कुमार मिश्रा द्वारा प्रस्तुत शोध-प्रबंध 'शांति प्रक्रिया के संदर्भ में भारत-पाक मीडिया का अध्ययन', श्री चंद्रिका पाण्डेय द्वारा प्रस्तुत शोध – प्रबंध 'दंडकारण्य : आदिवासियों की समानांतर व्यवस्था और भारतीय राजसत्ता (संप्रेषण के विभिन्न आयाम)', सत्र : 2010-11 के शोधार्थियों श्री उमेश कुमार पाठक द्वारा प्रस्तुत शोध-प्रबंध ''उपन्यासों पर आधारित टेलीविजन धारावाहिकों का सामाजिक प्रभाव'' तथा श्री धनेश कुमार जोशी द्वारा प्रस्तुत शोध-प्रबंध ''विज्ञान संचार के आयाम : एक अध्ययन (ज्ञानदर्शन एवं ज्ञानवाणी के विशेष संदर्भ में)'' के मूल्यांकनोपरांत खुली मौखिकी का आयोजन क्रमश: दिनांक 16.10.2014, 16.10.2014, 17.1.2015, तथा 23.03.2015 को किया गया। शोध की गुणवत्ता से संतुष्ट होकर परीक्षकों ने उक्त शोधार्थियों को पीएच.डी. जनसंचार उपाधि प्रदान करने की स्वीकृति की। पीएच.डी अध्यादेश 45/2009 के अनुच्छेद 18.1 के अनुपालन में संबंधित उपाधियों को अनुमोदित/प्रदान करने के लिए विद्या परिषद में भेजे जाने हेतु संस्तुति प्रदान की गई।
5. पीएच.डी. जनसंचार, सत्र 2011-12 के शोधार्थियों – श्री रणजीत कुमार एवं श्री अनिल कुमार विश्वा के अंतिम अवधि विस्तार से संबंधित आवेदन पत्र पर विचार कर उनके लिए शोध कार्य अवधि विस्तार अनुमोदित किया गया।
6. पीएच.डी. जनसंचार सत्र : 2012-13 के शोधार्थियों – सुश्री अंकिता मिश्रा, श्री रामशंकर एवं श्री विकास चंद्र के शोध-विषय में आंशिक संशोधन करने से संबंधित आवेदन पर विचार किया गया तथा वांछित संशोधन की अनुमति प्रदान की गई।

18/06/2015 18/6/2015

गांधी हिल, वर्धा–442005 (महाराष्ट्र), भारत
Gandhi Hill, Wardha- 442005 (Maharashtra), INDIA
Mob.: 09422905749 Ph. Off. 07152-251170 Ph. Res. 07152251068
Email : raianilankit@gmail.com ccmswardha@gmail.com
Website: www.hindivishwa.org www.ccmswardha.wordpress.com

18/06/2015 18/06/15 18/06/15 18/06/2015

ज्ञान शांति मैत्री

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी वेद्यालय
Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hi ravidyalaya
(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंत-स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)
(A Central University Established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

जनसंचार विभाग

Department of Mass Communication

दिनांकः 05.01.16

अध्ययन मण्डल (BOS) की आठवीं बैठक

दिनांक : 05 जनवरी, 2016

कार्यवृत्त

बैठक में विचार-विमर्श करके निम्नलिखित निर्णय लिए गए –

1. पिछली बैठक दिनांक 18.06.2015 में लिए गए निर्णयों/कार्यवाही की पुष्टि की गई।
2. आवश्यकतानुसार प्रश्न पत्रों में संशोधन किये गए और पाठ्य विषयों की पुस्तकों व अध्ययन सामग्री की संदर्भ सूची सम्मिलित किए जाने का निर्णय लिया गया। साथ ही, एम.फिल. जनसंचार पाठ्यक्रम में वैकल्पिक विषयों के प्रश्न पत्रों की सूची प्रत्येक वर्ष विभाग द्वारा तय की जायेगी। (संलग्नक - 1)
3. पीएच.डी. जनसंचार, सत्र 2015-16 के शोधार्थियों के लिए आबंटित शोध विषयों एवं निर्धारित शोध निर्देशकों की सूची का अवलोकन एवं अनुमोदन किया गया। (संलग्नक - 2)
4. पीएच.डी. जनसंचार सत्र: 2010-11 के शोधार्थियों - श्री संदीप कुमार द्वारा प्रस्तुत शोध-प्रबंध 'मैथिली पत्रकारिता का साहित्यिक अवदान' तथा श्री खाईदैम अथौबा मैते द्वारा प्रस्तुत शोध-प्रबंध 'मानवाधिकार हनन संबंधित समाचारों का विश्लेषणात्मक अध्ययन' (इरोम शर्मिला के विशेष संदर्भ में) के मूल्यांकनोपरांत खुली मौखिकी का आयोजन क्रमश: दिनांक 25.06.2015 तथा 13.10.2015 को किया गया। शोध की गुणवत्ता से संतुष्ट होकर परीक्षकों ने उक्त शोधार्थियों को पीएच.डी. जनसंचार उपाधि प्रदान करने हेतु स्वीकृति दी। पीएच.डी अध्यादेश 45/2009 के अनुच्छेद 18.1 के अनुपालन में संबंधित उपाधियों को प्रदान करने के लिए विद्या परिषद में भेजे जाने हेतु संस्तुति प्रदान की गई। (संलग्नक – **3, 4**)
5. पीएच.डी. जनसंचार, सत्र 2012-13 के शोधार्थियों – श्री अमृत कुमार एवं श्री रूद्रेश नारायण के अवधि विस्तार से संबंधित आवेदन पत्र पर विचार कर उनके लिए शोध कार्य अवधि विस्तार अनुमोदित किया गया। (संलग्नक – 5, 6)
6. पीएच.डी. जनसंचार, सत्र 2013-14 की शोधार्थी श्री धीरेन्द्र कुमार राय ने दो वर्ष नियमित शोध-कार्य अवधि पूर्ण होने के पश्चात पीएच.डी. अध्यादेश 49/2009 के पैरा 8.1 के आलोक में रोजगार करने की अनुमति मांगी थी। प्राप्त आवेदन पत्र पर विचार कर अनुमति प्रदान की गई। (संलग्नक 7)
7. विभाग के संकाय सदस्य श्री संदीप कुमार वर्मा, सहायक प्रोफेसर के पास पीएच.डी. शोध निर्देशक बनने की पात्रता (पीएच.डी. अध्यादेश क्र. 45/2009 के बिंदु सं. 4.1 (Supervisor) के अनुसार) है, शोध-निर्देशक बनाए जाने हेतु उन्होंने आवेदन दिया है। पीएच.डी. अध्यादेश बिंदु सं. तथा आवेदन पर अध्ययन मण्डल समिति द्वारा विचार कर श्री संदीप कुमार वर्मा को पीएच.डी. शोधार्थियों के लिए शोध-निर्देशक बनाए जाने की संस्तुति की गई तथा अध्ययन मण्डल की संस्तुति को अकादमिक अनुभाग में अग्रिम कार्यवाही हेतु भेजा जाने का निर्णय लिया गया।

अध्यक्ष की अनुमति से अन्य मुद्दों के अंतर्गत निम्नवत् निर्णय लिये गये –

- विभाग के संकाय सदस्य श्री संदीप कुमार वर्मा के पीएच.डी. शोध विषय में आंशिक संशोधन कर शोध विषय 'भारत में वेब संचार माध्यम और साइबर अपराध' को अनुमति प्रदान की गई।
- पाठ्यक्रमों को कौशलयुक्त व प्रयोग आधारित (Practical Oriented) बनाने के लिए कार्यशाला का आयोजन करने तथा इस संबंध में विभिन्न मीडियाविद् एवं मीडियाकारों को विभाग द्वारा आमंत्रित करने का निर्णय लिया गया।

ज्ञान शांति मैत्री

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya
(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)
(A Central University Established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

जनसंचार विभाग
Department of Mass Communication

दिनांक: 01.05.16

अध्ययन मण्डल (BOS) की नौवीं बैठक

दिनांक : 01 मई, 2016

कार्यवृत्त

बैठक में विचार-विमर्श करके निम्नलिखित निर्णय लिए गए –

1. पिछली बैठक दिनांक 05.01.2016 में लिए गए निर्णयों/कार्यवाही की पुष्टि की गई।
2. विश्वविद्यालय द्वारा वर्तमान सत्र से अपनाये जाने वाले विकल्प आधारित क्रेडिट प्रणाली (CBCS) के अनुरूप जनसंचार विभाग में संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों – एम.ए.जनसंचार, एम.फिल.जनसंचार, बी.ए. एम.ए. (समन्वित) मल्टीमीडिया) तथा अन्य पीजी डिप्लोमा पाठ्यक्रमों की पाठ्चर्या में आवश्यक संदर्भों को जोड़ना, संशोधन, परिवर्तन एवं परिमार्जन करके उन्हें अनुमोदित किया गया। (संलग्नक - 1)
3. मीडिया में स्नातक-स्नातकोत्तर के पांच वर्षीय समेकित पाठ्यक्रम की पाठ्यचर्या की रूपरेखा को अनुमोदित किया गया।
4. विश्वविद्यालय द्वारा वर्तमान सत्र से अपनाये जाने वाले विकल्प आधारित क्रेडिट प्रणाली (CBCS) के अनुरूप जनसंचार विभाग में संचालित एम.फिल.जनसंचार, द्वितीय सेमेस्टर के अंतरअनुशासनिक के अंतर्गत विभाग के विद्यार्थियों को किसी भी विभाग में अध्ययन हेतु अनुमोदनकिया गया। (संलग्नक - 2)
5. पीएच.डी. जनसंचार सत्र: 2012-13 के शोधार्थी - श्री रूद्रेश नारायण द्वारा प्रस्तुत शोध-प्रबंध ''रिऐलिटी शो : विमर्श एवं विश्लेषण (संदर्भ : सारेगामापा, केबीसी, स्वयंवर, सच का सामना, बिग बॉस, इमोशनल अत्याचार)'' के मूल्यांकनोपरांत खुली मौखिकी का आयोजन दिनांक 05.04.16 को किया गया। शोध की गुणवत्ता से संतुष्ट होकर परीक्षकों ने उक्त शोधार्थियों को पीएच.डी. जनसंचार उपाधि प्रदान करने हेतु स्वीकृति दी। पीएच.डी अध्यादेश 45/2009 के अनुच्छेद 18.1 के अनुपालन में संबंधित उपाधियों को प्रदान करने के लिए विद्या परिषद में भेजे जाने हेतु संस्तुति प्रदान की गई। (संलग्नक –3)
6. पीएच.डी. जनसंचार सत्र : 2015-16 के शोधार्थी – श्री निरंजन कुमार ने अपने शोध-विषय में आंशिक संशोधन करने के लिए आवेदन किया है। वांछित संशोधन की अनुमति प्रदान की गई। (संलग्नक –4)
7. पीएच.डी. जनसंचार, सत्र 2013-14 की शोधार्थियों श्री रामशंकर एवं श्री हिमांशु प्रताप सिंह ने दो वर्ष नियमित शोध-कार्य अवधि पूर्ण होने के पश्चात पीएच.डी. अध्यादेश 49/2009 के पैरा 8.1 के आलोक में रोजगार करने की अनुमति मांगी है। प्राप्त आवेदन पत्र पर विचार करके निर्णय लिया गया कि नियुक्ति पत्र प्रस्तुत करने तथा शोध-निर्देशक की सहमति के आधार पर अनुमति दी जा सकती है। ऐसे शोधार्थी को नियमित रूप से शोध प्रगति की आख्या प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। (संलग्नक 5, 6)
8. विभाग के संकाय सदस्य श्री संदीप कुमार वर्मा, सहायक प्रोफेसर के पास पीएच.डी. शोध निर्देशक बनने की पात्रता (पीएच.डी. अध्यादेश क. 45/2009 के बिंदु सं. 4.1 (Supervisor) के अनुसार) है, शोध-निर्देशक बनाए जाने हेतु उन्होंने आवेदन दिया है। उनका पत्र स्कूल बोर्ड के मार्फत विद्या परिषद में भेजने कीअनुशंसा की गई। (संलग्न 3 - 7)

(पंकज नयन पाण्डेय)	(प्रो. डी.के. पोखरापुरकर)	(प्रो. अनिल कुमार राय)	(डॉ. धरवेश कठेरिया)	(डॉ. अख़्तर आलम)	(डॉ. कृपाशंकर चौबे)
बाह्य विशेषज्ञ	बाह्य विशेषज्ञ	सदस्य	सदस्य	सदस्य	अध्यक्ष

(संदीप कुमार वर्मा)	(राजेश लेहकपुरे)	(डॉ. रेणु सिंह)
सदस्य	सदस्य	सदस्य

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विद्यालय
Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya
(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)
(A Central University Established by Parliament by Act No. 3 of 1997)
ज्ञान शांति मैत्री

जनसंचार विभाग
Department of Mass Communication

दिनांक: 12.12.16

अध्ययन मण्डल (BOS) की दसवीं बैठक

दिनांक : 12 दिसंबर, 2016

कार्यवृत्त

बैठक में विचार-विमर्श करके निम्नलिखित निर्णय लिए गए –

1. पिछली बैठक दिनांक 01.05.2016 में लिए गए निर्णयों/कार्यवाही की पुष्टि की गई।
2. एम.फिल. 2015-16 व पीएच.डी. जनसंचार सत्र 2016-17 के शोधार्थियों के लिए संभावित शोध विषयों पर चर्चा कर अनुमोदित किया गया था। पी.एच. डी. शोधार्थियों के लिए निर्देशक का आवंटन किया गया।
3. पीएच.डी. जनसंचार सत्र: 2011-12 के शोधार्थियों - श्री रंजीत कुमार, श्री अनिल कुमार विश्वा एवं सत्र: 2011-12 के श्री अमृत कुमार द्वारा प्रस्तुत शोध-प्रबंध मीडिया में व्यावसायिकता और व्यापारीकरण का अंतर्द्वंद्व (विशेष संदर्भ : पेड न्यूज़), दलित चेतना का विकास और मीडिया (विशेष संदर्भ : पूर्वी उत्तर – प्रदेश) एवं स्वास्थ्य चेतना और मीडिया दृष्टिकोण (झारखण्ड राज्य के आदिवासी समाज के विशेष संदर्भ में) के मूल्यांकनोपरांत खुली मौखिकी का आयोजन दिनांक 24.08.216, 20.09.2016 एवं 21.09.2016 को किया गया। शोध की गुणवत्ता से संतुष्ट होकर परीक्षकों ने उक्त शोधार्थियों को पीएच.डी. जनसंचार उपाधि प्रदान करने हेतु स्वीकृति दी । पीएच.डी अध्यादेश 45/2009 के अनुच्छेद 18.1 के अनुपालन में संबंधित उपाधियों को प्रदान करने के लिए विद्या परिषद में भेजे जाने हेतु संस्तुति प्रदान की गई।
4. पीएच.डी. जनसंचार सत्र : 2012-13 के शोधार्थी श्री बलराम राम एवं सत्र: 2013-14 के शोधार्थियों श्री भवानी शंकर, सुश्री संतोष मिश्रा, श्री विकाश सिंह, सुश्री शशि गौड़ एवं सत्र : 2015-16 के श्री शिवेन्दु कुमार राय व श्री निरंजन कुमार ने अपने शोध-विषय में आंशिक संशोधन करने के लिए आवेदन किया है। वांछित संशोधन की अनुमति प्रदान की गई।
5. पीएच.डी. जनसंचार, सत्र 2012-13 के शोधार्थियों – श्री रामशंकर, विकास चन्द्र, बलराम राम, शंभू शरण गुप्त एवं सुनील दीपक घोडके अवधि विस्तार से संबंधित आवेदन पत्रों पर विचार कर उनके आग्रह तथा संबंधित अध्यादेश के प्रावधानों के तहत 06 महीने का अवधि विस्तार बिना शोधवृत्ति के अनुमोदित किया गया।
6. अध्ययन मण्डल की दसवीं बैठक में यह प्रस्ताव पारित किया गया कि सत्र 2017-18 से क्षेत्रीय केंद्र, कोलकाता में एम.फिल. जनसंचार पाठ्यक्रम प्रारंभ किया जाए।

12.12.16		12/12/16	12/12/2016	12/12/2016
(प्रो. श्रीकांत सिंह)	(डॉ. उमा त्रिपाठी)	(प्रो. अनिल कुमार राय)	(डॉ. धरवेश कठेरिया)	(डॉ. अख़्तर आलम)
बाह्य विशेषज्ञ	बाह्य विशेषज्ञ	सदस्य	सदस्य	सदस्य
12.12.16	12/12/16		12/12/2016	12.12.16
(संदीप कुमार वर्मा)	(राजेश लेहकपुरे)	(डॉ. रेणु सिंह)	(संदीप कुमार दुबे)	(डॉ. कृपाशंकर चौबे)
सदस्य	सदस्य	सदस्य	भूतपूर्व विद्यार्थी	अध्यक्ष

12/12/16
(प्रो. अरुण कुमार त्रिपाठी)
सदस्य

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिं[...]विविद्यालय
Mahatma Gandhi Antarrashtriy [...]shwavidyalaya
(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 [...]त केंद्रीय विश्वविद्यालय)
(A Central University Established by [...]y Act No. 3 of 1997)
ज्ञान शांति मैत्री

जनसंचार विभाग

Department of Mass Communication

दिनांक 25.04.17

अध्ययन मण्डल (BOS) की ग्यारहवीं बैठक

दिनांक : 25 अप्रैल, 2017

कार्यवृत्त

जनसंचार विभाग के अध्ययन मण्डल (BOS) की बैठक दिनांक 25 अप्रैल 2017 को विभागाध्यक्ष के कक्ष में आयोजित की गई बैठक में विचार-विमर्श करके सर्व सम्मति से निम्नलिखित निर्णय लिए गए –

1. पिछली बैठक दिनांक 12.12.2017 में लिए गए निर्णयों/कार्यवाही की पुष्टि की गई।
2. मीडिया विषय में अध्ययन की महत्ता और विद्यार्थियों की रूचि को देखते हुए जनसंचार विभाग द्वारा अगले सत्र से बी.ए. (ऑनर्स) पत्रकारिता एवं जनसंचार (03 वर्षीय) पाठ्यक्रम, बैचलर इन जर्नलिज्म (बी.जे.) 01 वर्षीय पाठ्यक्रम एवं मास्टर इन जर्नलिज्म (एम.जे.) 01 वर्षीय पाठ्यक्रम को प्रारंभ करने की अनुशंसा की गई तथा संबंधित पाठ्यक्रमों की सी बी सी एस के अनुरूप पाठ्चर्या की रूपरेखा एवं विस्तृत पाठ्यचर्या का निर्माण करके उनका अनुमोदन किया गया। (संलग्नक 1,2,3,)
3. संचार एवं मीडिया के शिक्षण-प्रशिक्षण को व्यापकता प्रदान करने तथा जनसंचार विभाग के कार्यक्षेत्र व व्यवहार को विस्तार देने की दृष्टि से , साथ ही विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की अनुशंसा के अनुरूप ("The Committee recommends that with a view to endowing separate identity to the discipline of Mass Communication, the **Universities should create a separate faculty of Mass Communication."** (Report of the curriculam development committee on mass communication for Indian Universities, UGC The Report-IV (a), page10) नए विद्यापीठ की स्थापना/ सृजन पर विचार-विमर्श किया गया। सभी इस बात से सहमत हुए कि विश्वविद्यालय में इससे संबंधित नए विद्यापीठ की स्थापना की जाए। विचार-विमर्श करके इसके लिए **''संचार एवं मीडिया विद्यापीठ''** नामकरण की संस्तुति की गई।
4. प्रस्तावित संचार एवं मीडिया विद्यापीठ के अंतर्गत निम्नलिखित विभाग संचालित किए जाने की अनुशंसा की गई-

(i) जनसंचार विभाग (ii) प्रिंट मीडिया विभाग (iii) इलेक्ट्रॉनिक मीडिया विभाग (iv) वेब एवं डिजिटल मीडिया विभाग (v) जनसंपर्क एवं विज्ञापन विभाग (vi) मीडिया प्रबंधन विभाग (vii) तुलनात्मक मीडिया अध्ययन पीठ (viii) भारतीय संचार शास्त्र अध्ययन पीठ

5. पीएच.डी. जनसंचार 2013-14 के शोधार्थी श्री हिमांशु प्रताप सिंह के शोध शीर्षक में अपेक्षा के अनुरूप आंशिक संशोधन किया गया। **(संलग्नक 04)**
6. एम.फिल. जनसंचार सत्र 2016-17 के शोधार्थियों के शोध विषयों को अंतिम रूप प्रदान किया गया। **(संलग्नक 05)**

विभागाध्यक्ष द्वारा आभार ज्ञापन के साथ बैठक सम्पन्न हुई।

(प्रो. श्रीकांत सिंह) बाह्य विशेषज्ञ	(डॉ. उमा त्रिपाठी) (अनुपस्थित) बाह्य विशेषज्ञ	(डॉ. कृपाशंकर चौबे) (अनुपस्थित) सदस्य	(डॉ. धरवेश कठेरिया) सदस्य	(डॉ. अख़्तर आलम) सदस्य
(संदीप कुमार वर्मा) सदस्य	(राजेश लेहकपुरे) सदस्य	(डॉ. रेणु सिंह) सदस्य	(संदीप कुमार दुबे) (अनुपस्थित) भूतपूर्व विद्यार्थी	(प्रो. अरूण कुमार त्रिपाठी) विशेष आमंत्रित सदस्य
(प्रो. अनिल कुमार राय) अध्यक्ष				

ज्ञान शांति मैत्री

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya
(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित कद्राय विश्वविद्यालय)
(A Central University Established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

जनसंचार विभाग

Department of Mass Communication

दिनांकः 17.11.17

अध्ययन मण्डल (BOS) की बारहवीं बैठक

दिनांक : 17 नवंबर, 2017

कार्यवृत्त

जनसंचार विभाग के अध्ययन मण्डल (BOS) की 12वीं बैठक दिनांक 17 नवंबर 2017 को विभागाध्यक्ष के कक्ष में आयोजित की गई बैठक में विचार-विमर्श करके सर्व सम्मति से निम्नलिखित निर्णय लिए गए –

1. पिछली बैठक दिनांक 25.04.2017 में लिए गए निर्णयों/कार्यवाही की पुष्टि की गई।
2. विद्या-परिषद के दिनांक 29.04.2017 को हुई 26वीं बैठक में मद-संख्या 04 के अंतर्गत निए गए निर्णय के अनुसार जनसंचार विभाग द्वारा बी.ए. (ऑनर्स) पत्रकारिता एवं जनसंचार पाठ्यक्रम का संचालन किया गया। साथ ही इस पाठ्यक्रम में वैकल्पिक विषय के रूप में हिंदी/मनोविज्ञान और अंग्रेजी अथवा मानव विज्ञान विषय चलाया जाएगा।
3. बी.ए. (ऑनर्स) पत्रकारिता एवं जनसंचार (त्रिवर्षीय) पाठ्यक्रम की पाठ्यचर्या की संशोधित रूपरेखा एवं पाठ्यचर्या का निर्माण करके अनुमोदन किया गया (संलग्नक 1)
4. एम.फिल. जनसंचार (दो वर्षीय) के संशोधित पाठ्यचर्या का अनुमोदन किया गया। (सलग्नक)
5. पीएच.डी. जनसंचार 2013-14 के शोधार्थी कु. कंचन रानी, सुश्री शशि गौड़, सुश्री उमा यादव, श्री विकास सिंह, श्री हिमांशु बाजपेयी एवं श्री हिमांशु प्रताप सिंह के अवधि विस्तार से संबंधित आवेदन पत्र पर विचार कर उनके शोध कार्य के विस्तार को प्रवेश की तिथि से 06 माह की कार्योत्तर स्वीकृति प्रदान की जाती है। (संलग्नक)
6. पीएच.डी. जनसंचार सत्र 2016-2017 के शोधार्थी श्री अरविंद कुमार का चयन आयकर निदेशालय, नई दिल्ली में हिंदी अनुवादक के पद पर हो गया है। इनके आवासीय छूट प्रदान करने संबंधी आवेदन पर विचार विमर्श किया गया। यू.जी.सी. एवं विश्वविद्यालय के पीएच.डी. अधिनियम 2016 के तहत इनको आवासीय अवधि के दौरान छूट प्रदान करना संभव नहीं है। अत: इनका पीएच.डी. जनसंचार में प्रवेश को निरस्त किया जाता है। (संलग्नक)
7. पीएच.डी. जनसंचार शोधार्थी श्री हिमांशु प्रताप सिंह ने नौकरी करने की अनुमति मांगी है। प्राप्त आवेदन पत्र पर विचार करके निर्णय लिया गया, कि श्री हिमांशु प्रताप सिंह दो वर्ष नियमित शोध कार्य अवधि पूर्ण कर लिया है। ऐसे में शोध निर्देशक की सहमति के आधार पर नौकरी करने की अनुमति दी जाती है। शोधार्थी को नियमित रूप से शोध प्रगति की आख्या प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। (सलग्नक)
8. विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केंद्र कोलकाता के प्रभारी एवं जनसंचार विभाग के प्रोफेसर डॉ. कृपाशंकर चौबे द्वारा ई-मेल से भेजे गए प्रस्ताव पर विचार किया गया। (संलग्नक)

(क) विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केंद्र कोलकाता में सत्र 2017-2018 के शोधार्थी श्री संदीप कुमार दुबे के शोध विषय 'गौतम घोष की फिल्मों में जीवन का यथार्थ' का अनुमोदन किया गया।

(ख) क्षेत्रीय केंद्र कोलकाता में सत्र 2017-2018 पीएच.डी. जनसंचार की शोधार्थी सुश्री चांदनी कुमारी के शोध विषय 'दैनिक विश्वमित्र की शती-यात्रा में प्रतिबिंबित पत्रकारिता के शैली और सरोकार का' कोर्सवर्क पूरा करने की प्रत्याशा में अनुमोदन किया गया।

9. पीएच.डी. जनसंचार सत्र 2017-2018 के शोधार्थी श्री वैभव उपाध्याय, श्री अनुपम कुमार राय, सुश्री सुधा वर्मा के शोध विषय का अनुमोदन किया। (संलग्नक)

ज्ञान शांति मैत्री

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिं ग्विद्यालय
Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya
(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)
(A Central University Established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

जनसंचार विभाग

Department of Mass Communication

दिनांक : 03 अप्रैल 2018

अध्ययन मण्डल (BOS) की तेरहवीं बैठक

दिनांक : 03 अप्रैल 2018

कार्यवृत्त

जनसंचार विभाग के अध्ययन मण्डल की बैठक दिनांक 03 अप्रैल 2018 को विभागाध्यक्ष के कक्ष में आयोजित की गई बैठक में विचार-विमर्श करके सर्व सम्मति से निम्नलिखित निर्णय लिए गए-

1. पिछली बैठक दिनांक 17 नवंबर, 2017 में लिए गए निर्णयों/कार्यवाही की पुष्टि की गई।
2. जनसंचार विभाग द्वारा संचालित पीएच.डी. जनसंचार, एम.फिल. जनसंचार, एम.ए. जनसंचार, बी. ए. (ऑनर्स) पत्रकारिता एवं जनसंचार की पाठ्यचर्या में आवश्यकतानुसार तथा 02 एवं 03 अप्रैल 2018 को आयोजित तत्संबंधी कार्यशाला में किए गए संशोधन के अनुरूप उनकी रूपरेखा तथा विस्तृत पाठ्यचर्या का अनुमोदन किया गया। (संलग्नक 01)
3. पीएच.डी. जनसंचार के शोधार्थी श्री विकाश सिंह, सत्र 2013-14 एवं सुश्री उमा यादव 2013-14 के अवधि विस्तार से संबंधित आवेदन पर विचार कर उनके शोध कार्य के विस्तार को प्रवेश की तिथि से 06 माह की कार्योत्तर स्वीकृति प्रदान की जाती है। (संलग्नक 02)
4. पीएच.डी. जनसंचार सत्र 2017-18 के शोधार्थियों श्री संदीप कुमार दुबे, सुश्री चाँदनी कुमारी (कोलकाता केंद्र) एवं सुश्री सुधा वर्मा के शोध विषयों में परिवर्तन/संशोधन किया गया। (संलग्नक 03)
5. धन्यवाद ज्ञापन के उपरांत बैठक सम्पन्न हुई

(प्रो. उमा त्रिपाठी)	(प्रो. श्रीकांत सिंह)	(प्रो. कृपाशंकर चौबे)	(डॉ. धरेश कठेरिया)	(डॉ. अख्तर आलम)
बाह्य विशेषज्ञ	बाह्य विशेषज्ञ	सदस्य	सदस्य	सदस्य

(श्री संदीप कुमार वर्मा)	(श्री राजेश लेहकपुरे)	(डॉ. रेणु सिंह)	(डॉ. रमेश चन्द्र पाठक)	(प्रो. अरुण कुमार त्रिपाठी)
सदस्य	सदस्य	सदस्य	भूतपूर्व विद्यार्थी	विशेष आमंत्रित सदस्य

03/04/2018

(प्रो. अनिल कुमार राय)
अध्यक्ष

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी ...्यालय
Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya
(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)
(A Central University Established by Parliament by Act No. 3 of 1997)
ज्ञान शांति मैत्री

जनसंचार विभाग

Department of Mass Communication

दिनांक : 03 अप्रैल 2018

पाठ्यक्रम निर्माण कार्यशाला

कार्यवृत्त

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग द्वारा वर्तमान में संचालित पीएच. डी. जनसंचार, एम.फिल. जनसंचार, एम. ए. जनसंचार, बी.ए. (ऑनर्स) पत्रकारिता एवं जनसंचार पाठ्यक्रमों में आवश्यक संशोधन, परिवर्तन करने हेतु दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। 02 एवं 03 अप्रैल 2018 को आयोजित कार्यशाला में मीडिया शिक्षण एवं व्यवसाय से जुड़े वरिष्ठ विद्वतजनों में प्रो. श्रीकांत सिंह, प्रो. दीपक एम. शिंदे, श्री सुधीर रिंटन, डॉ. रमेश चंद्र पाठक एवं जनसंचार विभाग के सभी संकाय सदस्यों एवं शोधार्थियों ने सहभागिता की। उपरोक्त सुधिजनों एवं विभागीय संकाय सदस्यों की उपस्थिति में विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों पर विचार विमर्श के पश्चात पाठ्यचर्या तैयार कर अंतिम रूप प्रदान किया गया।

आभार ज्ञापन के साथ बैठक संपन्न हुई।

प्रो. श्रीकांत सिंह (सदस्य)	**प्रो. दीपक एम. शिंदे** (सदस्य)	**श्री सुधीर रिंटन** (सदस्य)	**डॉ. रमेश चंद्र पाठक** (सदस्य)
डॉ. कृपाशंकर चौबे (सदस्य)	**प्रो. अरुण कुमार त्रिपाठी** (सदस्य)	**डॉ. धरवेश कठेरिया** (सदस्य)	**डॉ. अख्तर आलम** (सदस्य)
श्री संदीप कुमार वर्मा (सदस्य)	**श्री राजेश लेहकपुरे** (सदस्य)	**डॉ. रेणु सिंह** (सदस्य)	

03/04/2018

प्रो. अनिल कुमार राय
(अध्यक्ष)

ज्ञान शांति मैत्री

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हि वविद्यालय
Mahatma Gandhi Antarrashtriya H wavidyalaya
(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अ ...त केंद्रीय विश्वविद्यालय)
(A Central University Established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

जनसंचार विभाग

Department of Mass Communication

दिनांक : 30 अगस्त 2018

अध्ययन मण्डल (BOS) की चौदहवीं बैठक

दिनांक : 30 अगस्त 2018

कार्यवृत्त

जनसंचार विभाग के अध्ययन मण्डल की बैठक दिनांक 30 अगस्त 2018 को विभागाध्यक्ष के कक्ष में आयोजित की गई। बैठक में विचार-विमर्श करके सर्व सम्मति से निम्नलिखित निर्णय लिए गए-

1. पिछली बैठक दिनांक 03 अप्रैल, 2018 में लिए गए निर्णयों/कार्यवाही की पुष्टि की गई।
2. जनसंचार विभाग द्वारा संचालित एम.फिल. जनसंचार, एम.ए. जनसंचार, बी. ए. (ऑनर्स) पत्रकारिता एवं जनसंचार की पाठ्यचर्या में आंशिक संशोधन करके अनुमोदन किया गया। (संलग्नक 01)
3. एम.फिल. जनसंचार सत्र 2017-19 के शोधार्थियों के शोध विषय एवं शोध निर्देशक निर्धारित करके अनुमोदन किया गया। (संलग्नक 02)
4. पीएच.डी. जनसंचार सत्र 2013-14 के शोधार्थी सुश्री कंचन रानी, सुश्री उमा यादव, सुश्री संतोष मिश्रा एवं श्री हिमांशु प्रताप सिंह के शोध प्रबंध के मूल्यांकन के लिए प्रस्तावित परीक्षकों की कार्योत्तर सूची का अनुमोदन किया गया।
5. पीएच.डी. जनसंचार सत्र 2017-18 के शोधार्थी श्री वैभव उपाध्याय, श्री अनुपम कुमार राय एवं सुश्री सुधा वर्मा के शोध कार्य की प्रगति के मूल्यांकन के संदर्भ में Research Advisory Committee (RAC) के गठन संबंध में चर्चा हुई तथा निर्णय लिया गया कि संबंधित अध्यादेश के अनुसार कार्यवाही की जाए।
6. पीएच.डी. जनसंचार सत्र 2018-19 के शोधार्थियों के शोध विषय को चिह्नित किया गया। (संलग्नक 03)
7. पीएच.डी. जनसंचार सत्र 2014-15 के शोधार्थी श्री राजेश वि. लेहकपुरे एवं श्री संदीप कुमार वर्मा के शोध अवधि में नामांकन तिथि से 04 वर्ष पूर्ण होने के उपरांत संबंधित अध्यादेश के प्रावधान के अनुरूप 06 माह का विस्तार दिया गया।
8. क्षेत्रीय केंद्र, कोलकाता के पीएच.डी. जनसंचार सत्र 2018-19 के शोधार्थियों के शोध विषय को चिह्नित किया गया। (संलग्नक 04)
9. क्षेत्रीय केंद्र, कोलकाता के एम.फिल. जनसंचार सत्र 2017-19 के शोधार्थी श्री उमेश शर्मा के शोध विषय एवं शोध निर्देशक निर्धारित करके अनुमोदन किया गया। (संलग्नक 05)
10. बी-वोक पत्रकारिता पाठ्यक्रम सत्र 2019-20 से प्रारंभ करने के लिए यू.जी.सी. को प्रस्ताव प्रेषित किए जाने के विषय में चर्चा हुई तथा यू.जी.सी. के प्रारूप के अनुरूप प्रस्ताव तैयार कर यू.जी.सी. में विचारार्थ प्रेषित किए जाने की अनुमति दी गई।
11. धन्यवाद ज्ञापन के उपरांत बैठक सम्पन्न हुई।

(प्रो. उमा त्रिपाठी)	(प्रो. श्रीकांत सिंह)	(प्रो. कृपाशंकर चौबे)	(डॉ. धरवेश कठेरिया)	(डॉ. अख्तर आलम)
बाह्य विशेषज्ञ	बाह्य विशेषज्ञ	सदस्य	सदस्य	सदस्य
(श्री संदीप कुमार वर्मा)	(श्री राजेश लेहकपुरे)	(डॉ. रेणु सिंह)	(डॉ. रमेश चन्द्र पाठक)	
सदस्य	सदस्य	सदस्य	भूतपूर्व विद्यार्थी	

(प्रो. अनिल कुमार राय)
अध्यक्ष

जनसंचार विभाग
अध्ययन मंडल की बैठक
दिनांक : 30 सितंबर, 2019

कार्यवृत्त

जनसंचार विभाग के अध्ययन-मण्डल की बैठक आज दिनांक : 30.09.2019 को दोपहर: 12.00 बजे आयोजित हुई, जिसमें निम्नलिखित सदस्य उपस्थित हुए :

1.	प्रो. फरहद मलिक	– अध्यक्ष
2.	प्रो. संजय द्विवेदी	– बाह्य विषय विशेषज्ञ
3.	प्रो. कृपाशंकर चौबे	– सदस्य
4.	डॉ. अख्तर आलम	– सदस्य
5.	डॉ. रुदेश नारायण	– विद्यार्थी प्रतिनिधि

उक्त बैठक में निम्नलिखित निर्णय लिए गए :

1. 2015-16 के पी-एच.डी. शोधार्थी शाहीन बानो, चेतन भट्ट, रूपाली उत्तमराव आलोने, शिवेन्दु कुमार राय एवं तेजो ईशा की शोध अवधि में विस्तार के संबंध में।
निर्णय:- पी-एच.डी. अध्यादेश क्रमांक 45/2009 के पैरा न. 7.3 के आलोक में अध्ययन मण्डल द्वारा सत्र: 2015-16 में प्रवेशित पांचों शोधार्थियों (शाहीन बानो, चेतन भट्ट, रूपाली उत्तमराव आलोने, शिवेंदु कुमार राय एवं तेजो ईशा) को उनके देय तिथि से एक वर्ष की शोध समयावधि का विस्तार किया जाता है।

2. सत्र 2018-20 के एम.फिल. शोधार्थी चंद्र मणि एवं नेहा कुमारी के शोध विषय में आंशिक संशोधन के संबंध में।
निर्णय:- सत्र: 2018-20 के एम.फिल. शोधार्थी चंद्र मणि एवं नेहा कुमारी के शोध विषय में आंशिक संशोधन किया जाता है।

शोधार्थी का नाम	शोध विषय	संशोधित शोध विषय
चंद्रमणि	चंपारण शती यात्रा का मीडिया कवरेज	चंपारण सत्याग्रह के शताब्दी वर्ष का मीडिया कवरेज
नेहा कुमारी	महात्मा गांधी की ग्राम पंचायत की अभिकल्पना एवं ई-गवर्नेंस	महात्मा गांधी की पत्रकारिता में स्त्री संवेदना

3. पी-एच.डी. शोधार्थी श्री अजय कुमार सिंह एवं विकास सिंह के मूल्यांकन के लिए परीक्षकों की सूची कार्योत्तर स्वीकृत करने के संबंध में।
निर्णय:- पी-एच.डी. शोधार्थी श्री अजय कुमार सिंह एवं विकास सिंह के मूल्यांकन के लिए परीक्षकों की सूची स्वीकृत प्रदान की जाती है।
(संलग्न-1A218)

4. सत्र 2018-20 के एम.फिल. शोधार्थी मोनिका शर्मा एवं अजय कुमार को अध्ययन मंडल द्वारा आवंटित शोध निर्देशक के संदर्भ में पुनर्विचार करने के संबंध में
निर्णय:- सत्र 2018-20 के एम.फिल. शोधार्थी मोनिका शर्मा एवं अजय कुमार को अध्ययन मंडल द्वारा आवंटित शोध निर्देशक के संदर्भ में पुनर्विचार किया गया एवं शोध निर्देशक एवं सह-शोध निर्देशक निम्नानुसार आवंटित किया जाता है।

शोधार्थी का नाम	शोध विषय	शोध निर्देशक	सह-शोध निर्देशक
मोनिका शर्मा	महात्मा गांधी के आर्थिक दृष्टिकोण के प्रसार में प्रिंट मीडिया की भूमिका*	प्रो. अनिल अंकित राय	प्रो. फरहद मलिक
अजय कुमार	महात्मा गांधी की चिट्ठियों की संप्रेषणीयता	प्रो. अनिल अंकित राय	प्रो. फरहद मलिक

***क्योंकि शोध निर्देशक अवकाश पर हैं अत: ऐसी स्थिति को देखते हुये विभागाध्यक्ष, जनसंचार विभाग एवं अधिष्ठाता, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ को सह-शोध निर्देशक नामितकरने की अनुशंसा की जाती है।**

5. सत्र 2017-18 में प्रवेशित पी-एच.डी. शोधार्थी वैभव कुमार उपाध्याय, अनुपम कुमार राय और सुधा वर्मा को अध्ययन मंडल द्वारा आवंटित शोध निर्देशक के संदर्भ में पुनर्विचार करने के संबंध में।
निर्णय:- सत्र 2017-18 में प्रवेशित पी-एच.डी. शोधार्थी वैभव कुमार उपाध्याय, अनुपम कुमार राय और सुधा वर्मा को अध्ययन मंडल द्वारा आवंटित शोध निर्देशक के संदर्भ में पुनर्विचार करते हुए शोध निर्देशक एवं सह-शोध निर्देशक निम्नानुसार पुनः आवंटित किया जाता है।

शोधार्थी का नाम	शोध विषय	शोध निर्देशक	सह-शोध निर्देशक
वैभव कुमार उपाध्याय	समवर्ती विकास में जनजातियों का देशज ज्ञान और संचार पद्धति का अध्ययन	प्रो. कृपाशंकर चौबे	----
अनुपम कुमार राय	हिंदी पत्रकारिता में राष्ट्र दर्शन: विमर्श एवं विवेचना	प्रो. कृपाशंकर चौबे	----
सुधा वर्मा	स्वास्थ्य संचार में ओपिनियन लीडर की भूमिका का अध्ययन* (मिथानिन स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के विशेष संदर्भ में)	प्रो. कृपाशंकर चौबे	प्रो. फरहद मलिक*

***विषय को अंतरअनुशासनिकता को देखते हुये प्रो. फरहद मलिक को सह-शोध निर्देशक नामित किया जाता है।**

6. I. विश्वविद्यालय के कार्यालय आदेश क्रमांक: (05.2018/DA&R/01.614 दिनांक: 08.08.19 एवं दिनांक: 24.09.2019 को विश्वविद्यालय द्वारा निर्गत अधिसूचना (पत्रांक: 04/परी. स्ना. व स्नोकोत्तर/2019/03/213, दिनांक: 24 सितंबर, 2019) में क्र.सं. 06 के तहत एम.ए. प्रथम सेमेस्टर के कम्प्यूटर (02 क्रेडिट) एवं आधार भाषा (04 क्रेडिट) के स्थान पर विभाग के 02 क्रेडिट पाठ्यचर्या को 04 क्रेडिट किए जाने की कार्योत्तर स्वीकृति के संबंध में।
निर्णय:- कार्योत्तर स्वीकृति दी जाती है। (संलग्न-2A-F)

II. दिनांक: 24.09.2019 को विश्वविद्यालय द्वारा निर्गत अधिसूचना पत्रांक: 04/परी. स्ना. व स्नोकोत्तर/2019/03/213, दिनांक: 24 सितंबर, 2019 में क्र.सं. 06 के तहत एम.ए. द्वितीय सेमेस्टर के कम्प्यूटर (02 क्रेडिट एवं आधार भाषा (04 क्रेडिट पाठ्यक्रम के मूल क्रेडिट में सम्मिलित करते हुए विभाग द्वारा संचालित (02 क्रेडिट पाठ्यचर्या को (04 क्रेडिट करने अथवा नई पाठ्यचर्या के निर्माण के संबंध में।
निर्णय:- आंशिक संशोधन के उपरांत अनुमोदन किया जाता है। *(संलग्न-3A/3B)*

7. दिनांक: 24.09.2019 को विश्वविद्यालय द्वारा निर्गत अधिसूचना पत्रांक: 04/परी. स्ना. व स्नोकोत्तर/2019/03/213, दिनांक: 24 सितंबर, 2019 में क्र.सं. 06 के तहत बी.ए. पाठ्यक्रम (प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर) की पाठ्यचर्या में आंशिक संशोधन करने के संबंध में।
निर्णय:- आंशिक संशोधन के साथ अनुमोदित। *(संलग्न-4A-4F)*

अध्यक्ष के धन्यवाद ज्ञापन के साथ बैठक संपन्न हुई।

30/09/2019
डॉ. रुदेश नारायण
विद्यार्थी प्रतिनिधि

डॉ. अख्तर आलम
सदस्य

प्रो. कृपाशंकर चौबे
सदस्य

30.9.2019
प्रो. दीपक शिंदे
बाह्य विषय विशेषज्ञ

30.9.2019
प्रो. संजय द्विवेदी
बाह्य विषय विशेषज्ञ

30.9.19
प्रो. फरहद मलिक
अध्यक्ष